

25/6/18



आज यह पत्रावली राजस्व लोक अदालत अदालत
 सेवा केडू संपन्न पर पेश हुई। सापल जमा-
 कोह शर्क उदर/ जोलापल बाबजूद ताकील
 उपासीत नही। सापल जमाकोह शर्क को लुप्त (जोलापल)
 तथा पत्रावली का अपलोचन किया। प्रथम
 दुष्टता केतु एवं लुविधा अनुलन जापल केपक
 में उत्तीत होता है। जोलापल को जोरपे कस्पाई
 निषेधाज्ञा पावेद किया जाना उचित समझता है।

इतः प्रथम पत्र लीजा लिखा जाता है
 जोलापल को मूल वाद के निष्ठाए तक
 जोरपे कस्पाई निषेधाज्ञा पावेद किया जाता है
 कि वह विकारित काजी ल० न० 1861, 1863,
 1874, 1877, 1878, 1884, 2191, 2192, 2196;
 2199, व 2200 वाके गुण संपन्न न०। तदनुसार पर
 दिव्यादि इन नोके की प्रमाप्ति कनापे रहे।
 पत्रावली जोलापल शुक होकर मूल वाद की
 पत्रावली के साथ तेलगु रहे।

(Signature)